

चिंतन शिविर

• रायपुर आईआईएम में मंत्रियों ने आर्ट ऑफ गुड गवर्नेंस के बारे में विस्तार से जाना मोदी के आर्थिक सलाहकार सान्याल ने मंत्रियों से कहा- अंग्रेजों के बनाए कानून से जनता को समस्या है तो उसे बदलना चाहिए

भास्कर न्यूज़/रायपुर

आईआईएम में चल रहे चिंतन शिविर के दूसरे दिन मंत्रियों की क्लास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने ली। उन्होंने आर्ट ऑफ गुड गवर्नेंस के बारे में बताया। इसके लिए मंत्रियों को सीख दी कि पहले आप प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाना सीखें।

प्रदेश की क्षमताओं में वृद्धि तभी होगी जब अनावश्यक नियमों को हटाया जाएगा। उनके व्याख्यान के बाद डिजिटल हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने ई-हेल्थ रिकॉर्ड्स, टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ एप्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता



आईआईएम रायपुर में चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी मंत्रियों की क्लास।

और जवाबदेही बढ़ाने के उपाय बताए। राजनीतिक विश्लेषक उदय माहुरकर ने गुड गवर्नेंस टू इलेक्शन के बारे में बताया। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सुशासन को मजबूत करने, चुनावों में पारदर्शिता लाने और प्रशासन में नैतिक मूल्यों की स्थापना के उपायों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल

भगत और भारतीय प्रबंध संस्थान के निदेशक राम काकानी भी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि संजीव सान्याल से बहुत कुछ सीखने को मिला। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों के जमाने में बनाए गए कानून से जनता को समस्या हो रही है, तो उन्हें बदलना चाहिए। बिना मतलब के पुराने कानूनों की वजह से जनता के

साथ निवेशकों को भी समस्या होती है। जब आप कानून बदलने की बात करेंगे तो जिन्हें सहूलियत होने वाली है, उन्हें तो यह बात पता भी नहीं होती। लेकिन जिनका भ्रष्टाचार खत्म होता है, वे विरोध करने उतर आते हैं। ऐसे में घबराना नहीं है, जनता का साथ देना है। उन्होंने पेटेंट का उदाहरण देते हुए बताया कि इसमें कई कानूनी झंझट थे। पेटेंट करने वाले ही नहीं थे। इस वजह से देश के पेटेंट ही नहीं हो पाते हैं। जब बदलने की बात हुई तो समस्याएं आई लेकिन हमने कानून में परिवर्तन किया। आज भारत पेटेंट में अग्रणी देशों में है। ओपी ने बताया कि हमने भी प्रदेश में हुए रजिस्ट्री बदलाव का उदाहरण दिया। पंजीयन एक्ट 1908 में बना था, इसके 35 सेक्शन में एमिडमेंट किए।